

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सत्वी खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -27

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 05 मार्च से 11 मार्च 2026 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

होली खुशियों और जुड़ाव का अवसर, किसानों की समृद्धि से बढ़ा उत्साह

होली खुशियों और जुड़ाव का अवसर , किसानों की समृद्धि से बढ़ा उत्साह - मुख्यमंत्री साय

धरसीवा में होली मिलन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज धरसीवा विधानसभा क्षेत्र में विधायक श्री अनुज शर्मा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल हुए और क्षेत्रवासियों के साथ होली की खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री ने आयोजन में आमंत्रित किए जाने पर विधायक श्री अनुज शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए सभी उपस्थितजनों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने का पर्व है। यह हमें मन-मुटाव भुलाकर एक-दूसरे के साथ मिलकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि होलिका बुराई का प्रतीक है, जिसका दहन कर हमें जीवन में अच्छाई, सकारात्मकता और खुशहाली को अपनाना है तथा सबके सहयोग से छत्तीसगढ़ को विकास



के पथ पर आगे बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 4 मार्च को होली का पर्व है और इसका उत्साह अभी से दिखाई देने लगा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत किसानों के खातों में राशि अंतरित की गई है, जिससे किसानों में विशेष उत्साह है और इस बार प्रदेश में होली का पर्व और अधिक उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि होली सामाजिक और पारिवारिक

जुड़ाव का अवसर भी है, जो समाज में आत्मीयता और विश्वास को मजबूत करता है। विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा किसानों के खातों में सहायता राशि अंतरित किए जाने से किसानों में खुशी का माहौल है और वे इस वर्ष होली का त्योहार अधिक आनंद और उत्साह के साथ मना रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक पग गीत प्रस्तुत कर वातावरण को उत्सवमय बना

दिया, जिससे पूरा परिसर होली के रंग में सराबोर हो गया। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने भी क्षेत्रवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू, श्री पुरंदर मिश्रा, फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

होली सद्भाव, अपनत्व और गिले-शिकवे भुलाने का पर्व है : मुख्यमंत्री साय



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह फ्रंटगेत्सवफ्र एवं फ्रमहामूर्ख सम्मेलन 2026फ्र में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को सुदृढ़ करने का पावन अवसर भी है। यह पर्व हमें छोटी-छोटी अनबन और गिले-शिकवे भुलाकर नए सिर से संबंधों को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर प्रेस क्लब में पर्वों

को मिल-जुलकर मनाने की एक गौरवशाली परंपरा रही है। रायपुर प्रेस क्लब वर्षों से होली मिलन और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने का कार्य कर रहा है, यह परंपरा आगे भी निरंतर जारी रहनी चाहिए। उन्होंने प्रेस क्लब परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कामना की कि यह उल्लासपूर्ण पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता लेकर आए। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री साय का अनूठे अंदाज में मिर्ची की माला पहनाकर तथा त्रिजलनुमा पिवकारी भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रेस क्लब के होली विशेषांक ‘नानसेंस टाइम्स’ का विमोचन भी किया। होली मिलन समारोह में उमंग का तब अનોखा वातावरण देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वयं नगाड़ा बजाकर उत्सव का जोश दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री के नगाड़ा बजाने ही समारोह में उपस्थित पत्रकारों और अतिथियों ने तालियों से उत्साह व्यक्त किया।

पीएम जनमन योजना से कोरबा जिले के दूरस्थ अंचलों में विकास और समृद्धि की नई दिशा

■ पीएम जनमन योजना से कोरबा जिले के दूरस्थ अंचलों में विकास और समृद्धि की नई दिशा: उद्योग मंत्री देवांगन

■ कनबेरी में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में 21.35 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की रखी गई आधारशिला

कोरबा (ज्वाला एक्सप्रेस)। । वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कोरबा जिले के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से 21 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

ग्राम कनबेरी में श्री अग्रसेन गौसेवा समिति के पास आयोजित इस कार्यक्रम का अध्यक्षता कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने की।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना से न केवल सड़क कनेक्टिविटी बढ़ी है, बल्कि दूरस्थ जनजातीय समुदायों के सामाजिक विकास, आर्थिक भागीदारी और जीवन



स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ है। यह पहल पीवीटीजी समुदायों के सशक्तिकरण की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि आज ग्राम में मुख्यमंत्री गौरव पथ का निर्माण कार्य प्रारंभ होने जा रहा है। इन सभी कार्यों से दूरस्थ क्षेत्र के आवागमन को अभूतपूर्व गति मिलेगी। सड़कों और पुल-पुलियाओं के निर्माण से वर्षा ऋतु में ग्रामीण अंचल का किसी भी प्रकार का

संपर्क बाधित नहीं होगा।

मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सभी वर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी योजनाएँ बनाते हैं, ताकि प्रत्येक हितग्राही तक अधिकतम लाभ पहुँच सके। यही कारण है कि आज प्रत्येक योजना का लाभ पात्र लोगों तक निःशर्त रूप से पहुँच रहा है। कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य सरकार

समग्र और समान विकास की नीति पर कार्य कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से अब कोई भी क्षेत्र विकास से वंचित नहीं रहेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री जनमन योजना और मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत कुल 21.35 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से आठ वृहद पुलों तथा सड़क निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 20.92 करोड़ रुपये की लागत से कई महत्वपूर्ण पुलों का निर्माण शामिल है। ये पुल रामपुर विधानसभा के कोरबा विकासखण्ड के लेमरू-देवपहरी मार्ग, डोकरमना मेन रोड, बगबुड़ा रोड, बाताली-बांसाखार मार्ग और पतरपाली-धानकछार मार्ग पर स्थित गौमुखी, चिंगराडांड, गड्गुड़ा, कोटगसरा और पेंसारी नाला जैसे स्थलों पर निर्मित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त पाली- तानाखार विधानसभा के पोड़ी-उपरोड़ा विकासखण्ड में कटघोरा-अंबिकापुर मार्ग से बहरीझरिया मार्ग के कोठीझुंझा

नाला पर 278.72 लाख रुपये की लागत से एक वृहद पुल के निर्माण की स्वीकृति भी प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत कटघोरा विकासखण्ड में पंचराम घर से हीरालाल घर तक 500 मीटर लंबी सीसी सड़क और नाली निर्माण का कार्य किया जाएगा, जिसकी स्वीकृत राशि 42.95 लाख रुपये निर्धारित है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर जिले के वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और अधिक सुगम होगा तथा विशेष रूप से वर्षा ऋतु में आने वाली संपर्क संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान होगा।

कार्यक्रम में कोरबा महापौर श्रीमती संजु देवी राजपूत, जिला पंचायत सदस्य श्री विनोद यादव, जनपद सदस्य श्री अमृत लाल कंवर, सरपंच श्री शत्रुघ्न सिंह, पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष श्री राजेंद्र अग्रवाल, श्री अग्रसेन गौसेवा समिति कोरबा के अध्यक्ष श्री जयंत अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

‘कृषक उन्नति योजना’ से कृषक वर्ग को संबल मिला है- कृषक नेमीचंद



दुर्ग (ज्वाला एक्सप्रेस)। प्रदेश सरकार की कृषक हितैशी प्रयासों से प्रदेश के खेतीहर समाज में खुशहाली की नई लहर दौड़ रही है। आज ‘कृषक उन्नति योजना’ के अंतर्गत जिले के तीनों विकासखण्डों में गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन कर अंतर की राशि का भुगतान किया गया। विकासखण्ड दुर्गाने आयोजित भव्य समारोह में ग्रामों से आए

कृषकों ने राज्य सरकार की नीतियों के प्रति अपना विश्वास जताया। इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए कंजरा (भिलाई) के उन्नत कृषक श्री नेमीचंद देशमुख ने शासन की दूरगामी सोच की प्रशंसा करते हुए इसे ग्रामीण विकास के लिए इसे क्रांतिकारी कदम बताया। श्री देशमुख ने अपनी बात रखते हुए कहा, ‘मुख्यमंत्री श्री साय के कुशल नेतृत्व में कृषकों को उनके पसीने की पूरी कीमत और वाजिब अधिकार बिना किसी विलंब के मिल रहा है। इस योजना के माध्यम से प्राप्त वित्तीय सहायता ने हमें भविष्य की फसलों के लिए मानसिक और आर्थिक रूप से सशक्त बना दिया है।’ उन्होंने कहा कि जिस तरह से किसान वर्ग की छोटी-बड़ी समस्याओं को समझकर त्वरित समाधान किया जा रहा हैं, वह वाकई काबिले तारीफहै। इस प्रत्यक्ष लाभ से किसानों के बीच विचौलियों का डर खत्म हुआ है और कृषक वर्ग को संबल मिला है। नेमीचंद जी ने इस पारदर्शी व्यवस्था व कल्याणकारी सोच के लिए प्रदेश सरकार का साधुवाद किया।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा



कवर्धा बायपास और एन-30 के धवईपानी से सिमगा सेक्शन को 4-लेन करने का किया आग्रह, मंत्री ने दिया शीघ्र स्वीकृति का आश्वासन

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शनिवार के अपने नागपुर प्रवास के दौरान भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से महत्वपूर्ण मुलाकात कर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (ह॥-30) के धवईपानी (चिल्पी) से कवर्धा होते हुए सिमगा तक लगभग 122 किलोमीटर लंबे सेक्शन को 4-

लेन में उन्नत करने तथा कवर्धा बायपास (4रू॥) के निर्माण की स्वीकृति का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने इस प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को बताया कि हाल ही में एनएच - 30 के जबलपुर से मंडला एवं चिल्पी तक लगभग 160 कि.मी. के सेक्शन को 4-लेन में विकसित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।वर्तमान में चिल्पी (धवईपानी) से कवर्धा तथा कवर्धा गुरुनाला से सिमगा तक का मार्ग 10 मीटर चौड़ाई की 2-लेन सड़क के रूप में निर्मित है। चिल्पी से रायपुर मार्ग पर वर्तमान में व्यावसायिक एवं भारी

वाहनों का अत्यधिक आवागमन होता है। जबलपुर-मंडला-चिल्पी सेक्शन के 4-लेन बनने के बाद यातायात का दबाव आगे के 2-लेन सेक्शन पर और अधिक बढ़ने की संभावना है। ऐसी स्थिति में लोक सुरक्षा एवं यातायात सुगमता के दृष्टिकोण से धवईपानी (चिल्पी) से सिमगा (रायपुर) तक के पूरे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

जबलपुर से रायपुर के मध्य एनएच-30 पर जिला कबीरधाम मुख्यालय कवर्धा स्थित है। यह अंतर्राज्यीय मार्ग व्यावसायिक, सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां प्रतिदिन भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन होता है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कवर्धा शहर में भारी यातायात के दबाव को कम करने तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवर्धा बायपास (4 लेन मय पेव्ड शोल्टर) के निर्माण की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि बायपास निर्माण से शहर के भीतर दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी तथा यातायात सुचारु रूप से संचालित हो सकेगा।

हर्बल गुलाल से सजेगी होली, लैलूंगा की स्व-सहायता समूहों ने रचा सफलता का रंग



रायगढ़ (ज्वाला एक्सप्रेस)। रायगढ़ जिले में इस वर्ष होली पर्व प्राकृतिक एवं सामाजिक मुक्त रंगों के साथ मनाने की पहल को व्यापक समर्थन मिल रहा है। लैलूंगा क्षेत्र की स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार हर्बल गुलाल की काफ़ी डिमांड है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत दिव्या स्व-सहायता समूह सलखिया एवं संतोषी स्व-सहायता समूह रूड़केला की महिलाओं ने हल्दी, चुकंदर, लालभाजी, पालक, परसा फूल, संतरे के छिलके एवं लेमनग्रास जैसे प्राकृतिक तत्वों से गुलाल तैयार किया है।

महिलाओं ने लगभग एक माह

पूर्व 5 किंटल हर्बल गुलाल का उत्पादन किया, जिसमें से 4 किंटल की बिक्री हो चुकी है। कलेक्टोरेट एवं जनपद पंचायत लैलूंगा परिसर में लगाए गए स्टॉल पर उत्साहजनक प्रतिसाद मिला।

कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने स्टॉल का अवलोकन कर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों को आयुमूलक गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। समूह की सदस्याओं ने बताया कि उन्हें प्रशिक्षण एवं जिला प्रशासन का सतत सहयोग प्राप्त हो रहा है।इच्छुक नागरिक मोबाइल नंबर +91-62660-74792 पर संपर्क कर हर्बल गुलाल प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हाइड्रो रॉकेट कार्यशाला एवं विशेष नाइट स्काई गेजिंग कार्यक्रम सम्पन्न



रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हाइड्रो रॉकेट कार्यशाला एवं विशेष नाइट स्काई गेजिंग कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर, रायपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फ़रवरी 2026 के अवसर पर 1 हाइड्रो रॉकेट कार्यशाला तथा 2 नाइट स्काई गेजिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर (ऋष्ट) एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौ?द्योगिकी परिषद (छष्ट्रस्त्र) के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम का गरिमामय शुभारंभ श्री एम. के. बेग, वैज्ञानिक (श्व-1) ने किया गया। अपने प्रेरणादायी उ?द्घोषण उ?द्घोषण में उन्होंने महान वैज्ञानिक डॉ. सी. वी. रमन की ऐतिहासिक खोज रमन प्रभाव को भारतीय विज्ञान की वैश्विक पहचान का आधार बताते हुए राष्ट्रीय विज्ञान

श्री. भरत देवांगन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, खरोरा, ब्रईटन स्कूल, नरदहा एवं शासकीय विद्यालय, आमासिवनी के छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर (ऋष्ट) एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौ?द्योगिकी परिषद (छष्ट्रस्त्र) के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम का गरिमामय शुभारंभ श्री एम. के. बेग, वैज्ञानिक (श्व-1) ने किया गया। अपने प्रेरणादायी उ?द्घोषण उ?द्घोषण में उन्होंने महान वैज्ञानिक डॉ. सी. वी. रमन की ऐतिहासिक खोज रमन प्रभाव को भारतीय विज्ञान की वैश्विक पहचान का आधार बताते हुए राष्ट्रीय विज्ञान

दिवस के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल ज्ञान का विषय नहीं, बल्कि नवाचार, तर्कशीलता और राष्ट्र निर्माण की सशक्त धुरी है।

श्री बेग ने अपने वक्तव्य में संसाधन उपग्रह (ऋह्राश्रह्रह्रह्र स्ट्रुह्रद्रघट्रह्रह्र) एवं रिमोट सेंसिंग तकनीकों की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि आज उपग्रह आधारित आंकड़ों के माध्यम से कृषि उत्पादन का आकलन, जल संसाधनों का मानचित्रण, वन क्षेत्र की निगरानी, आपदा पूर्वानुमान एवं शहरी नियोजन जैसे कार्य सक्रिय सहभागिता रही। छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर (ऋष्ट) एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौ?द्योगिकी परिषद (छष्ट्रस्त्र) के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम का गरिमामय शुभारंभ श्री एम. के. बेग, वैज्ञानिक (श्व-1) ने किया गया। अपने प्रेरणादायी उ?द्घोषण उ?द्घोषण में उन्होंने महान वैज्ञानिक डॉ. सी. वी. रमन की ऐतिहासिक खोज रमन प्रभाव को भारतीय विज्ञान की वैश्विक पहचान का आधार बताते हुए राष्ट्रीय विज्ञान

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन शंखनाथ चलाकर पुलिस ने 10 गौवंश की जान बचाई

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में गौवंश संरक्षण हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन शंखनाथ के तहत लैलूंगा पुलिस ने एक बार फिर प्रभावी कार्रवाई करते हुए 10 गौवंश को अवैध तस्करी से मुक्त कराया है। जानकारी अनुसार लैलूंगा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति लगभग 10 नग गौवंश को बिना चारा-पानी के मारते-पीटते हुए घरघोड़ा की ओर से छाम, रेगड़ी, कुंजारा मार्ग से उड़ीसा की ओर ले जा रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी लैलूंगा उपनिरीक्षक गिरधारी साव के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल नाकेबंदी की गई और मवेशी तस्कर की तलाश में जुट गये। तभी पुलिस टीम को ग्राम कुंजारा के पास एक व्यक्ति 10 नग बैलों को मुख्य मार्ग पर हॉकते हुए मिला। पछछाछ में उसने अपना नाम श्याम सिदार (उम्र 44 वर्ष), निवासी थाना परसाबहार जिला जशपुर (छ.ग.) बताया। परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने पर वह कोई कागजात पेश नहीं कर सका। आरोपी का कृत्य छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10, 11 के अंतर्गत अपराध पाए जाने पर उसके कब्जे से 10 गौवंश (कुल अनुमानित मूल्य 2,00,000 रुपये) एवं एक कलड़ी का डंडा जब्त कर थाना लैलूंगा के अपराध क्रमांक 70/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी के कृत्य पर पशुओं के प्रति करुता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा विस्तारित कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

90 वर्षीय चाका बाई पुनः सुन सकती है जीवन की मधुर ध्वनि

रायपुर। 90 वर्षीय चाका बाई की चेहरे से झलकती मुस्कराहट बता रही है कि उनके जीवन में खुशियां फिर से लौट आई हैं। उम्र के इस दौर में शारीरिक परेशानियों का आना स्वाभाविक है और ऐसे समय में की गई सहायता बुजुर्गों के लिए खड़ी सहारा बनती है। टीके से सुनाई नहीं देने की समस्या से जूझ रही चाका बाई मुख्यमंत्री कैप कार्यालय पहुंची। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें उनकी परेशानियों का समाधान यहां पर अवश्य मिलेगा और हुआ भी ऐसा ही, कैप कार्यालय से उन्हें तत्काल मदद मिली और उसे श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। ग्राम पंचायत जामचुआं, तहसील कुनकुरी निवासी चाका बाई इस से सुनाई नहीं देने की समस्या से जूझ रही थी। उन्होंने कैप कार्यालय में आवेदन देकर अपनी समस्याओं को साझा किया। कैप कार्यालय ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उनके आवेदन पर त्वरित कार्यवाही की और उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान किया। श्रवण यंत्र पाकर चाका बाई ने अपनी प्रसन्नता जाहिर की और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को आशीर्वाद दिया है। गरीबों को मदद करने की संवेदनशील सोच और समय पर उनका काम बन सके, इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को बगिया में कैप कार्यालय की नौव रखी, जहां कई जरूरतमंदों को सही समय में मदद मिल रही है।

सोशल मीडिया पर दोस्ती और शादी का झांसा, दुष्कर्म के दोषी को 7 साल की कैद

रायपुर। इंटरनेट मीडिया के जरिए दोस्ती कर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में फ़स्ट ट्रेक कोर्ट ने आरोपित को दोषी ठहराते हुए सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। मामला वर्ष 2024 में सिविल लाइन थाना रामपुर क्षेत्र की सीएसईबी कॉलोनी का है। शासन की ओर से लोक अभियोजन अधिकारी मोहन सोनी ने बताया कि कॉलोनी निवासी प्रवीण डहरिया ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से एक युवती से संपर्क किया। बातचीत बढ़ने पर उसने युवती को पसंद करने की बात कही और विवाह का वादा किया। इसी भरोसे पर वह युवती को कॉलोनी स्थित मकान में ले गया, जहाँ उसने कई बार दुष्कर्म किया।

ज्ञान दान से संवर रहे सपने! स्मृति पुस्तकालय योजना में उमड़ा जनसहयोग, 8100 से अधिक पुस्तकें दान

रायपुर। युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने की पहल अब जनआंदोलन का रूप लेती नजर आ रही है। जिला जनसंपर्क कार्यालय रायपुर द्वारा जारी जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना को अभूतपूर्व जनसमर्थन मिल रहा है। जरूरतमंद और प्रतिभावान अव्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद देने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के तहत अब तक 8100 से अधिक पुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान किए जा चुके हैं। इसी कड़ी में जिला पंचायत लाइब्रेरियन डॉ. मीनाक्षी वाजपेयी ने इतिहास विषय की महत्वपूर्ण पुस्तकें जिला प्रशासन को भेंट कर ज्ञान दान की इस मुहिम को और मजबूती दी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र एवं प्रेरक पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि समाज की सहभागिता से ही ऐसे प्रयास सफल होते हैं और इससे उन युवाओं को संबल मिलेगा जो संसाधनों के अभाव में अपने सपनों से सपझौता कर लेते हैं।

25 मार्च से 06 अप्रैल तक होगा ‘खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स छत्तीसगढ़-2026’ का होगा आयोजन

युवा शक्ति को नई उड़ान देगा खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-मुख्यमंत्री साय

■ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर

प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने और जनजातीय अंचलों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से ‘खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स छत्तीसगढ़-2026’ का आयोजन 25 मार्च से 06 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर, सरगुजा और बस्तर के खेल मैदानों में होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक लेकर इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों को विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवा ही देश और प्रदेश का



भविष्य हैं। राज्य सरकार शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और खेल सहित हर क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल और बस्तर के खेल मैदानों में होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक लेकर इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों को विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवा ही देश और प्रदेश का

खेलो इंडिया की केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन, खेल अकादमियों की गतिविधियों, खेल अलंकरण, युवा महोत्सव और आगामी कार्ययोजना की भी समीक्षा की। उन्होंने विगत वर्षों में गेम्स 2026 न केवल वनांचल के खिलाड़ियों की प्रतिभाओं को पहचान देने का मंच बनेगा, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी सिद्ध होगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना, प्रदेश में खेल अधोसंरचनाओं की स्वीकृति एवं निर्माण,

थाना कुरूद एवं मगरलोड पुलिस ने अवैध शराब पर कसा शिकंजा

रायपुर ।

पुलिस का अवैध शराब, जुआ के विरुद्ध सख्त कार्यवाही निरंतर अभियान जारी थाना कुरूद एवं मगरलोड पुलिस ने अवैध शराब पर कसा शिकंजा- आबकारी एक्ट के तहत दो आरोपी गिरफ्तार। दोनों आरोपीगणों से देशी शराब एवं नगदी सहित कुल 5,380/- रुपये की मशरूका जप्त। धमतरी पुलिस का अवैध शराब, जुआ के विरुद्ध सख्त कार्यवाही निरंतर अभियान जारी। पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशन में धमतरी पुलिस द्वारा जुआ, अवैध शराब एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जिले के थाना कुरूद एवं थाना मगरलोड क्षेत्रों में अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है। थाना कुरूद को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि भरदा भारतमाला ओवरब्रिज के पास एक

व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। दबिश के दौरान आरोपी मंगल सोनवानी को अवैध शराब बिक्री करते रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 28 पौवा देशी शराब कीमती 2,240/- रुपये एवं नगदी बिक्री रकम 200/- रुपये, कुल जुमला 2,440/- रुपये जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना कुरूद में अपराध क्रमांक 56/26 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। आरोपी का नाम : मंगल सोनवानी, पिता ब्रोज कुमार, उम्र 22 वर्ष, साकिन भरदा चौक कुरूद, थाना कुरूद, जिला धमतरी (छ.ग.) दूसरी कार्यवाही थाना मगरलोड थाना मगरलोड को सूचना प्राप्त हुई कि चारभाटा स्कूलपारा में एक महिला द्वारा अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री की जा रही है।

भाजपा सरकार बनने के बाद कानून व्यवस्था बदहाल हो गयी है होली के दिन चार हत्याएं बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था के कारण-

रायपुर



कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि होली के दिन रायपुर जिले में चार हत्याएं और एक दर्जन चाकूबाजी की घटनाएं डराने वाली है त्यौहार के दिन पूरे प्रदेश में दुर्दांत हत्याएं हुई हैं। राजधानी की तीन घटनाएं तो शराब के नशे में हुई है सरकार शराब बेच कर काली कमाई में लगी है शराब के नशे में अपराधिक घटनाएं बढ़ गई है। आए दिन हत्या चाकूबाजी, लूटपाट, डकैती, अपहरण, बलात्कार, गोलीबारी की घटनाएं हो रही है, नशीली दवाइयों की तस्करी बढ़ गई है, जेल में भी अपराधिक बेलगाम

सुधरे। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि गृह मंत्री की अकर्मण्यता के कारण अपराधिक तत्व इतने बेखौफ हो गये है कि उनमें पुलिस का भय जरा भी नहीं बचा है। राह चलते किसी को भी चाकू मार दी जा रही, सड़कों पर खुलेआम हत्या हो रही है। प्रदेश में जब से भाजपा सरकार बनी है राजधानी में सरेआम गोलीबारी की पांच घटनाएं हो चुकी है। सरकार की नाकामी और पुलिस की लापरवाही का परिणाम है कि प्रदेश की राजधानी असुरक्षित हो चुकी है। राजधानी रायपुर चाकूपुर बन गया है। प्रदेश के लगभग सभी शहरों में रोज ही हत्याएं हो रही है।

बिहान से सशक्त हो रहीं ग्रामीण महिलाएं

स्व सहायता समूह से जुड़कर बना रहीं अपनी अलग पहचान

■ संघर्ष से सफलता तक : सावित्री उरांव की प्रेरक कहानी

■ प्रशिक्षण और वित्तीय सहयोग से बढ़ी आय, सालाना कमाई पहुंची लगभग 8 लाख रुपये

रायपुर

राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित बिहान कार्यक्रम प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं को स्व

सहायता समूहों के माध्यम से संगठित कर उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि आज ग्रामीण महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी बना रही हैं। कोरबा जिले में भी बिहान से अनेक महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रही हैं। इसी कड़ी में कोरबा जिले के विकासखंड करतला के ग्राम सरगबुंदिया की निवासी श्रीमती सावित्री उरांव आज ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल बनकर उभरी हैं। एक समय ऐसा था जब सीमित आय, आर्थिक असुरक्षा और स्थायी आजीविका के अभाव के कारण उनका जीवन संघर्षों से घिरा हुआ था। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच संसाधनों की कमी के कारण जीवनयापन कठिन हो रहा था। ऐसे समय



में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्व सहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने उनके भीतर आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की नई आशा जगाई। बिहान कार्यक्रम के तहत श्रीमती

उरांव को समय-समय पर वित्तीय साक्षरता, समूह प्रबंधन, उद्यम विकास और आजीविका संवर्धन से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान किए गए। इन प्रशिक्षणों ने उन्हें केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि आत्मनिर्भर बनने, निर्णय

गर्मी में प्यासे राजधानीवासियों की प्यास बूझाने निगम करेगा करोड़ों रूपए खर्च-महापौर

■ एक दर्जन से अधिक बोर खोदे जाएंगे और सबमर्सिबल पंप लगाया जाएगा

■ पानी का टैंकर और जलवाहिनी की आपूर्ति के लिए भी टैंडर जारी कर दिया गया

रायपुर। गर्मी आते ही अब नगर निगम पेयजल से निजात दिलाने के लिए जाग रहा है। नगर निगम के नल जल विभाग द्वारा एक दर्जन नलकूप और सबर्सिबल बंप बिठाने के लिए करोड़ों रुपये का टैंडर जारी कर दिया गया है। वहीं टैंकर की आपूर्ति का टैंडर जारी हो गया है। राजधानी में ग्रीष्मकाल शुरू होते ही पेयजल संकट गहराने लगता है। प्रतिदिन यहां पर एक लाख एमएलडी पानी का उपयोग होता है। इसे नगर निगम के लेकिन यहां पर जबरिया खनन कराया जाता है।



महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूह श्मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजनाश् जैसी सरकारी योजनाएं अहम हैं ।

16 वर्षीय छात्रा ने घर में फांसी लगा की खुदकुशी

रायपुर

शहर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय छात्रा ने अपने घर पर फंसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को छात्रा के कमरे से एक सुसाइड नोट और मृतिका का मोबाइल फोन बरामद कर जांच शुरू कर दी है। मृतिका की पहचान सांची कंवर के रूप में हुई है, जो शहर के सेंट जेवियर स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा थी। वह मोगरा थाना में पदस्थ आरक्षक रजपाल सिंह कंवर का भांजी बताई जा रही है। सांची अपनी मां के साथ पुलिस लाइन क्षेत्र स्थित मामा के घर में रह रही थी। वह मूल रूप से अमरपुर कटघोरा की निवासी

थी जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाकर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को छात्रा के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। हालांकि, नोट में क्या लिखा है, इसका खुलासा पुलिस ने अभी नहीं किया है। जांच के हित में इसकी सामग्री गोपनीय रखी गई है। पुलिस ने मृतिका के पास से उसका मोबाइल फोन भी जब्त किया है। बताया जा रहा है कि घटना के समय छात्रा के कान में हेडफोन लगा हुआ था। पुलिस मोबाइल फोन के कॉल डिटेल्, चैट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है।

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता': हे शक्ति स्वपणी,श्रृष्टि की जननी, तुझे शत-शत नमन



बिनोद कुमार सिंह

भारत की सांस्कृतिक चेतना में नारी को शक्ति कहा गया है।यह शक्ति केवल बाहुबल की नहीं बल्कि धैर्य, संवेदना,करुणा और सृजन की शक्ति है।यही शक्ति जीवन को अर्थ देती है और समाज को दिशा प्रदान करती है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम नारी सम्मान के इस आदर्श को केवल शब्दों में नहीं बल्कि अपने व्यवहार और सामाजिक जीवन में भी उतारें।

संपादकीय

नीतीश अवानक राज्यसभा!

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अचानक राज्यसभा में जाने का निर्णय क्यों किया है? वह 105 दिन पहले ही 10वीं बार मुख्यमंत्री बने थे। वह 19 साल 4 माह इस पद पर रहे और अब भी 15 अप्रैल तक मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। नया जनादेश भाजपा-जद (यू) और एनडीए को मिला था। विपक्षी राजद को करारी पराजय देकर सत्ता बरकरार रखी गई थी। मुख्यमंत्री की जिस कुर्सी के लिए नीतीश ने हथालट्टामाह जैसे विशेषण को भी झेल लिया था, उस कुर्सी को अचानक छोड़? की इच्छा क्यों जताई है? इन सवालों के जवाब तो नीतीश या भाजपा नेतृत्व ही दे सकते हैं, लेकिन यह विस्फोटक राजनीतिक खबर है। सपा अग्र्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे ह्यराजनीतिक अपहरणह्ण करार दिया है। अब बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? यह एक सामान्य सवाल है। निश्चित है कि भाजपा का बीते 20 सालों से संचित सपना साकार होने जा रहा है। नीतीश के बेहद करीबी नेता एवं पूर्व सांसद केसी त्यागी तक ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री भाजपा की ही होंगा। बहरहाल बिहार में चुनाव के दौरान भी नीतीश उम्रराज और असंख्य थे। विपक्ष के आरोपों को छोड़िए, लेकिन ऐसे कई क्षण सार्वजनिक हुए हैं, जब लगा कि नीतीश मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। यदि जनादेश मिलने और मुख्यमंत्री बनने के 105 दिनों के बाद ही पद छोड़ कर राज्यसभा में जाने की इच्छा व्यक्त करनी थी, तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की शपथ ही न लेते। सत्ता के नए पांच साल नीतीश को मिले थे। बढ़ती उम्र और गिरते स्वास्थ्य के बावजूद वह आराम से सरकार चला सकते थे। जनता से जिन वायदों के आधार पर जनादेश हासिल किया था, उन्हें पूरा करने के प्रयास कर सकते थे। यदि अब राज्यसभा में जाकर उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया जाता है, तो उनके पास मंत्रालय, सरकार का नीतिगत एजेंडा, मंत्रालय के रोजमर्रा के दायित्व भी होंगे। यदि नीतीश मुख्यमंत्री बने रहने में असहज, असमर्थ थे, तो वही स्थितियां केंद्रीय मंत्री बनने पर भी होंगी। फिर उन्होंने यह फैसला क्यों किया? अथवा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें बाध्य किया है? सवाल यह भी है कि अब केंद्रीय मंत्री बनकर नीतीश क्या साबित करेंगे? वह केंद्र सरकार में कृषि, रेल, सड़क परिवहन मंत्री रह चुके हैं। नीतीश 6 बार सांसद चुने गए और 6 साल तक केंद्रीय मंत्री रहे।

चितन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सच मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर।

इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम जाएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगे। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं।

अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बाह्र नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नहीं पकड़ती। चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनों के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हो, मैं अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी भरीगा।

भारतीय संस्कृति की विराट परंपरा में एक वाक्य सदियों से गुंजता रहा है –ह्रूयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः॥यह केवल एक शास्त्रीय उक्ति

नहीं,बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा का घोष है।इसका आशय है कि जिस समाज में नारी का सम्मान होता है,वहाँ देवत्व का वास होता है,वहाँ संवेदनाएँ जीवित रहती हैं,वहाँ संस्कृति साँस लेती है और वहाँ मानवता का दीपक कभी बुझता नहीं।

नारी केवल एक व्यक्ति नहीं है; वह जीवन की सृजनधर्मा ऊर्जा है। वह माँ के रूप में ममता की गंगोत्री है, वहन के रूप में स्नेह की सरिता है, पत्नी के रूप में जीवन की सहयात्री है और बेटी के रूप में भविष्य की मुस्कान है।भारतीय परंपरा ने नारी को केवल सामाजिक भूमिका में नहीं देखा, बल्कि उसे सृजन की मूल शक्ति माना है।यही कारण है कि हमारे यहाँ प्रकृति को भी माँ कहा गया और ज्ञान,धन तथा शक्ति को सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा के रूप में पूजित किया गया।

भारत की सभ्यता में नारी का स्थान सदैव गौरवपूर्ण रहा है।वेदों के युग में जब ज्ञान और दर्शन के संवाद होते थे, तब वहाँ नारी भी समान रूप से उपस्थित थीं। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने केवल शास्त्रों का अध्ययन ही नहीं किया, बल्कि दार्शनिक विमर्शों में अपनी तेजस्विता से सबको चकित किया। उस समय समाज में यह विश्वास गहरा था कि ज्ञान और संवेदना का कोई लिंग नहीं होता।मनुष्य की पहचान उसके विचार और कर्म से होती है।

समय की धारा में कई उतार-चढ़ाव आए। मध्यकालीन परिस्थितियों ने सामाजिक संरचनाओं को बदल दिया और अनेक रूढ़िवाँय समाज में घर करने लगीं।नारी की स्वतंत्रता पर कई प्रकार के बंधन लगाए गए। शिक्षा और सामाजिक भागीदारी के अवसर सीमित होने लगे। किंतु इतिहास इस बात का साक्षी है कि भारतीय नारी की चेतना कभी पूरी तरह दबाई नहीं जा सकी।वह समय-समय पर अपनी ऊर्जा और आत्मविश्वास से इन बंधनों को तोड़ती रही।भारत के स्वतंत्रता संग्राम ने नारी शक्ति को नई दिशा और नई पहचान दी।जब देश पराधीनता की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, तब अनेक महिलाओं ने घर की चौखट लांघकर स्वतंत्रता के महासंग्राम में भाग लिया।रानी लक्ष्मीबाई की तलवार केवल अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध नहीं थी; वह भारतीय नारी के स्वाभिमान का प्रतीक बन गई। सरोजिनी नायडू की वाणी में कविता थी और क्रांति की चेतना भी।फ़ैय्ज़ुल्ला ग़ाँधी का त्याग और समर्पण राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा हुआ था।स्वतंत्रता आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल घर की परिधि



में सीमित रहने वाली सत्ता नहीं है,बल्कि वह राष्ट्र की नियति को भी दिशा देने की क्षमता रखती है।यही कारण है कि स्वतंत्र भारत के संविधान निर्मातोंओं ने महिलाओं को समान अधिकार और समान अवसर प्रदान करने का संकल्प लिया। संविधान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य किसी भी नागरिक के साथ लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। यह केवल कानूनी प्रावधान नहीं था; यह उस नए भारत की परिकल्पना थी जिसमें नारी और पुरुष दोनों समान गरिमा के साथ आगे बढ़ें।

स्वतंत्रता के बाद के दशकों में भारतीय समाज ने धीरे-धीरे परिवर्तन की यात्रा तय की।शिक्षा के विस्तार ने महिलाओं के जीवन में नई रोशनी जगाई। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के द्वार खुलने लगे। ज्ञान के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा और आत्मविश्वास के साथ नई संभावनाओं के द्वार खुलने चले गए।आज का भारत उस परिवर्तन का साक्षी है जहाँ नारी केवल घर की धुरी नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की सक्रिय सहभागी बन चुकी है। विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर अंतरिक्ष के प्रक्षेपण केंद्रों तक, खेल के मैदानों से लेकर प्रशासनिक दायित्वों तक,कला, साहित्य,पत्रकारिता,शिक्षा

और उद्यमिता के हर क्षेत्र में भारतीय महिलाएँ अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं।

जब कोई भारतीय बेटी अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर देश का तिरंगा लहराती है, तब यह केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं होती; यह उस संपूर्ण नारी शक्ति का सम्मान होता है जिसने सदियों की चुनौतियों के बीच अपनी पहचान बनाई है। फिर भी यह कहना कि यात्रा पूरी हो चुकी है,शायद वास्तविकता से आँखें मूँद लेना होगा।समाज में अभी भी कई ऐसी चुनौतियाँ मौजूद हैं जो नारी के मार्ग को कठिन बनाती हैं।कई स्थानों पर सामाजिक रूढ़िवाँय और असमानताएँ आज भी उसके आत्मविश्वास को चुनौती देती हैं। कहीं शिक्षा का अभाव है तो कहीं अवसरों की कमी।कहीं सुरक्षा का प्रश्न है तो कहीं सामाजिक मानसिकता का संकीर्ण दायरा।

इन चुनौतियों के बावजूद भारतीय नारी की यात्रा रुकी नहीं है।वह निरंतर आगे बढ़ रही है।उसकी आँखों में स्वप्न हैं,उसके कदमों में विश्वास है और उसके भीतर वह अदम्य शक्ति है जो कठिनाइयों को भी अवसर में बदल देती है।

दरअसल नारी शक्ति को समझना केवल अधिकारों के संदर्भ में संभव नहीं है।वह एक गहरी सांस्कृतिक और मानवीय

कच्चा तेल खरीद में अमेरिका की 'दादागिरी क्यों'?

है कि भारत जैसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता देश को बार-बार संतुलन साधना पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए अस्सी और स्थिर आपूर्ति चाहता है, जबकि अमेरिका चाहता है कि उसके सहयोगी देश उसकी विदेश नीति के अनुरूप ही निर्णय लें।

भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है और उसकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक बाहरी ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर है। ऐसे में यदि किसी स्रोत से सस्ता तेल मिलता है तो उसे पूरी तरह छोड़ देना भारत के लिए आसान नहीं होता। यही वजह है कि अमेरिका के दबाव के बावजूद भारत अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले लेने की कोशिश करता रहा है। भारत को दी गई 30 दिन की मौहलत दरअसल एक तरह का कूटनीतिक संदेश है। यह समय भारत को अपनी रणनीति तय करने के लिए दिया गया है, लेकिन इसके साथ ही यह संकेत भी है कि आगे अमेरिका इस मुद्दे पर और सख्ती दिखा सकता है। यह स्थिति भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण संतुलन का सवाल बन जाती है—एक तरफ रणनीतिक साझेदारी और दूसरी ओर ऊर्जा सुरक्षा।

यह भी ध्यान देने वाली बात है कि वैश्विक राजनीति में प्रतिबंधों की यह संस्कृति धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। बड़ी शक्तियाँ आर्थिक ताकत का इस्तेमाल करके दूसरे देशों के निर्णयों को प्रभावित करना चाहती हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार की स्वतंत्रता और वैश्विक व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े होते हैं। भारत को इस परिस्थिति में अपनी ऊर्जा नीति को और अधिक विविधतापूर्ण बनाना होगा। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, नए तेल आपूर्तिकर्ताओं की तलाश करना और रणनीतिक बंधारण को मजबूत करना

किस दबाव में झुके नीतीश : भाजपा खुश, विपक्ष हैरान

संदेश में नीतीश ने लिखा कि ह्दयो दशक के अधिकां समय से अपने मेरे साथ लगातार विश्वास और समर्थन बनाये रखा। इसकी ही ताकत थी कि बिहार आज विकास और सम्मान का नया आगम प्रस्तुत कर रहा है। संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही इच्छा थी कि बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के दोनों सदनों का भी सदस्य बन्। इसी क्रम में राज्यसभा सदस्य बनना चाह रहा हूँ। बिहार की नई सरकार को मेरा पूरा समर्थन रहेगा।ह्द और फिर तीन घंटे के भीतर उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए पर्चा दाखिल कर दिया। नीतीश कुमार के इस फैसले से जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकर्ताओं में गुस्से की लहर दौड़ गई। राज्यभर में विरोध-प्रदर्शन होने लगे। कार्यकर्ता इसे भाजपा की चाल में नीतीश को फंसाने, पार्टी के ही कुछ बड़े नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने और जनमत का अपमान बताने लगे। उन्होंने पटना स्थित पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ भी की और नीतीश से अपना फैसला वापस लेने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि मतदाताओं ने नीतीश के नाम पर वोट किया था। यह फैसला मतदाताओं की अनदेखी है। नाराज जदयू कार्यकर्ताओं ने जदयू दफ्तर में लगे प्रचारमंत्री को पोस्टर पर कालिख पोत दी। नाराजगी सिर्फ कार्यकर्ताओं में ही नहीं है। जदयू के श्याम रजक, विनय चौधरी समेत कई विधायक नीतीश के इस फैसले से इत्तेफाक नहीं रखते। विधायक अमिल चौधरी तो खुलकर कहते हैं कि साढ़े तीन महीने में आखिर ऐसा क्या हो गया कि मुख्यमंत्री को ऐसा निर्णय लेना पड़ा। जदयू एमएलसी नीरज कुमार कहते हैं कि जदयू के कार्यकर्ताओं को दुख है। जिस लोगों ने हमें वोट नहीं दिया वे भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अब सीएम ने बिहार छोड़कर दिल्ली जाने का फैसला किया है। लेकिन पार्टी ने जिनको जिम्मेदारी दी है, उनके सामने यह सवाल है कि अब राजनीतिक विरासत कोन संभालेगा ? नीतीश

समय की मांग है। साथ ही, कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को स्पष्ट करना होगा कि उसकी ऊर्जा जरूरतों पर किसी बाहरी दबाव का असर सीमित ही हो सकता है।

अंततः, यह प्रकरण केवल तेल खरीद का नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का भी संकेत है। भारत जैसे उभरते हुए देश के लिए यह जरूरी है कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्वतंत्रता को बनाए रखते हुए अंतरराष्ट्रीय दबावों का समझदारी से सामना करे। तभी वह अपनी विकास यात्रा को बिना बाधा के आगे बढ़ा पाएगा।

युद्ध नहीं रुका तो कच्चे तेल की आग पूरी दुनिया को झुलसा सकती है

वहीं अगर ईरान-इजरायल युद्ध नहीं रुका तो कच्चे तेल की आग पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता सैन्य संघर्ष केवल क्षेत्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ रहा है। युद्ध के चलते कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से उछलने लगी हैं। अगर यह युद्ध जल्द नहीं थमा, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है।दरअसल, इस संघर्ष का सबसे बड़ा खतरा हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडरा रहा है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति गुजरती है। यदि इस मार्ग में व्यवधान आता है या जहाजों की आवाजाही रुकती है, तो वैश्विक तेल बाजार में बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।हाल के दिनों में इसी आशंका के कारण तेल बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रिपोर्टों के मुताबिक युद्ध के कुछ ही

चेतना का विषय है। जिस समाज में नारी का सम्मान होता है,वहाँ संवेदनाएँ जीवित रहती हैं।वहाँ परिवार मजबूत होते हैं, वहाँ संस्कृति सुरक्षित रहती है और वहाँ भविष्य उज्ज्वल होता है।नारी जीवन की वह मौन धारा है जो बिना किसी शोर के सभ्यता को आगे बढ़ाती रहती है।वह घर के आँगन में बच्चों के सपनों को आकार देती है,परिवार के रिश्तों को प्रेम की डोर से बांधती है और समाज को संवेदनशील बनाती है। उसकी मुस्कान में आशा होती है और उसके संघर्ष में प्रेरणा।आज जब अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का अवसर हमारे सामने है,तब यह केवल उत्सव का क्षण नहीं बल्कि कृतज्ञता का भी क्षण है।यह वह समय है जब समाज को उन अनगिनत महिलाओं को याद करना चाहिए जिन्होंने अपने त्याग,श्रम और संवेदना से इस दुनिया को बेहतर बनाया है।हर माँ जो अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देती है, हर बेटी जो सपनों के साथ आगे बढ़ती है,हर वहन जो परिवार की खुशियों का आधार बनती है और हर वह महिला जो समाज को बेहतर बनाने के लिए संघर्ष करती है - वे सभी नारी शक्ति की जीवंत प्रतिमाएँ हैं।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में नारी को शक्ति कहा गया है।यह शक्ति केवल बाहुबल की नहीं बल्कि धैर्य, संवेदना,करुणा और सृजन की शक्ति है।यही शक्ति जीवन को अर्थ देती है और समाज को दिशा प्रदान करती है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम नारी सम्मान के इस आदर्श को केवल शब्दों में नहीं बल्कि अपने व्यवहार और सामाजिक जीवन में भी उतारें।जब समाज की मानसिकता बदलेगी, जब बेटी और बेटे के बीच कोई भेद नहीं रहेगा,जब हर महिला को सम्मान और अवसर मिलेगा-तभी वह आदर्श सच में साकार होगा जिसकी कल्पना हमारे ऋषियों ने की थी।नारी शक्ति को प्रणाम करना केवल औपचारिकता नहीं है;यह उस सृजनशील ऊर्जा के प्रति श्रद्धा है जिसने मानव सभ्यता को आकार दिया है। इस अवसर पर समूची नारी शक्ति को हृदय से नमन करते हुए यही कहा जा सकता है कि जहाँ नारी का सम्मान है, वहाँ जीवन की सुंदरा,वहीं संस्कृति की ज्योति है और वहीं मानवता का उजाला है।सच तो यह है कि नारी केवल समाज का हिस्सा नहीं,बल्कि समाज की आत्मा है।जब वह आत्मा सम्मानित होती है,तभी सच्चे अर्थों में देवत्व पृथ्वी पर उतरता है। यही वह भावना है जो हमें फिर से स्मरण कराती है—ह्रूयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः॥हे शक्ति स्वपणी,श्रृष्टि की जननी,तुझे शत-शत नमन ।

दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया और यह लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया, जो हाल के वर्षों में सबसे तेज साप्ताहिक बढ़ोतरी में से एक है।

यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य बंद हुआ या तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित हुई, तो तेल की कीमतें 100 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। इससे वैश्विक महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत बढ़ेगी और कई देशों की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होगी।

भारत जैसे देशों के लिए यह संकट और भी गंभीर हो सकता है, क्योंकि भारत अपनी लगभग 90 प्रतिशत तेल जरूरतें आयात से पूरी करता है और उसका बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। ऐसे में तेल महंगा होने का मतलब है—पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई का दबाव और सरकारी वित्त पर अतिरिक्त बोझ।स्पष्ट है कि ईरान-इजरायल युद्ध केवल दो देशों का सैन्य संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कूटनीतिक प्रयासों के जरिए जल्द से जल्द तनाव कम करने की दिशा में काम करना होगा। यदि युद्ध की आग फैलती है, तो उसका धुआं पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को घेर सकता है—और कच्चे तेल की कीमतें इसका सबसे बड़ा संकेत होंगी।

अतः युद्ध जितना लंबा चलेगा, तेल बाजार उतना अस्थिर होगा। इसलिए शांति की पहल केवल राजनीतिक जरूरत नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता की भी अनिवार्य शर्त है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार व समाचार पत्र , पत्रिकाओं में समसामयिक चिंतक विचारक है।

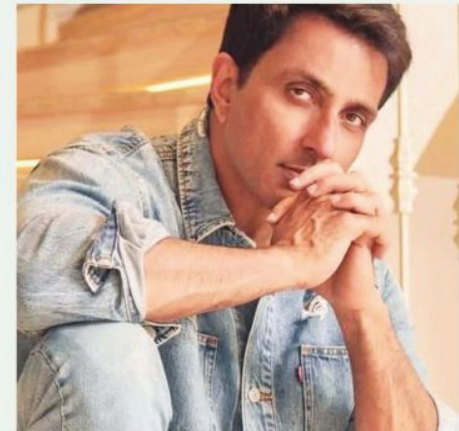
र्वीचत नेताओं को अपने बैनर तले जदयू उम्मीदवारों के खिलाफ मैदान में उतार दिया था। नतीजतन, जदयू 43 सीटों पर सिमट गयी थी। 2025 चुनाव के दौरान टिकट बंटवारे में भाजपा ने जदयू की सीटिंग सीटें भी लीजपा को दे दी थी। जदयू की ओर से सीटों की बातचीत कर रहे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री राजीव रंजन सिंह ऊर्फ लाल सिंह मान भी गए थे। लेकिन समय रहते नीतीश सचेत हो गए और उन्होंने करीब आधा दर्जन सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए थे। वे जीतकर आ भी गए। तब भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह मन मसोस कर रह गए थे। यही नहीं चुनाव के दौरान भी एक टीवी इंटरव्यू में अमित शाह ने साफ कहा था कि मुख्यमंत्री का फैसला विधायक करेंगे। हालांकि नुकसान होता देख भाजपा नेताओं को चुनाव के बीच नीतीश के नाम पर मुहर लगानी पड़ी थी। सवाल उठता है कि अब अचानक ऐसी क्या स्थिति बन गयी कि नीतीश कुमार को बिहार की सत्ता रास नहीं आ रही है। राज्यसभा में तो नीतीश जब चाहते जा सकते थे। रही बात बेटे निशान्त को राजनीति में लॉच करने की, तो नीतीश को कौन रोक रहा था। जदयू के नेता-कार्यकर्ता तो पहले से इसकी मांग कर रहे थे।नीतीश चाहते तो देश में सर्वाधिक दिन तक मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते थे। लेकिन इस उपलब्धि से चूक क्यों गए ? इसका जवाब तो नीतीश ही दे सकते हैं। फिलहाल, देश में सबसे अधिक दिनों 24 वर्ष 166 दिन मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड सिक्किम के पवन कुमार चामलिंग के नाम है। नीतिन अरुणचल प्रदेश) 22 वर्ष 94 दिन, ज्योति बसु (पश्चिम बंगाल) 23 वर्ष 137 दिन, गेंगांग अपांग (अरुणाचल प्रदेश) 22 वर्ष 250 दिन, ललथनहरनाथ (मिजोरम) 22 वर्ष 60 दिन, वीरभद्र सिंह (हिमाचल प्रदेश) 21 वर्ष 13 दिन, और माणिक सरकार (त्रिपुरा) 19 वर्ष 363 दिनों तक मुख्यमंत्री रहे। नीतीश का नंबर आठवें पायदान पर आता है।



थिएटर मालिकों को मिल रही धमकियां : विपुल शाह

बॉलीवुड फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह का आरोप है कि केरल और चेन्नई के कई सिनेमाघरों पर फिल्म न दिखाने का दबाव बनाया जा रहा है। विपुल शाह ने दोनों राज्यों के प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। उनका कहना है कि थिएटर मालिकों को धमकियां मिल रही हैं ताकि वे फिल्म की स्क्रीनिंग रोक दें। उन्होंने कहा कि अदालत का आदेश स्पष्ट है और उसका पालन होना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब फिल्म पर स्टे था, तब टीम ने पूरी तरह कानून का सम्मान किया और किसी भी तरह की अवैध स्क्रीनिंग नहीं की। ऐसे में यदि केवल फिल्म निर्माता से कानून पालन की अपेक्षा रखी जाए और धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई न हो, तो न्याय व्यवस्था का संतुलन बिगड़ जाता है। शुक्रवार को केरल हाई कोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर लगी अंतरिम रोक हटा दी थी। यह फैसला डिजीजन बेंच द्वारा स्टे हटाए जाने के बाद आया, जो पहले सिंगल बेंच ने लगाया था। अदालत के आदेश के बाद फिल्म की स्क्रीनिंग का रास्ता साफ हुआ और फिल्म दोबारा सिनेमाघरों में दिखाई जाने लगी। विपुल शाह का दावा है कि जिन स्थानों पर फिल्म प्रदर्शित हो रही है, वहां दर्शकों का रिएक्शन बेहद सकारात्मक है। थिएटर मालिक और डिस्ट्रीब्यूटर भी फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं और आने वाले दिनों में शो और स्क्रीन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। कलेक्शन की बात करें तो कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी 'द केरल स्टोरी 2' ने पहले दिन 75 लाख रुपये कमाए थे। दूसरे दिन 4.65 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 5.40 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। बता दें कि विपुल अमृतलाल शाह और सुदिशो सेन की फिल्म 'द केरल स्टोरी' लंबे समय तक विवादों में घिरी रही थी। फिल्म की रिलीज पर केरल हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक ने मामले को और तूल दिया, लेकिन 27 फरवरी को अदालत से हरी झंडी मिलने के बाद इसके सीकल 'द केरल स्टोरी 2' आखिरकार सिनेमाघरों तक पहुंच गई।

सोनू सूद फिर आए मदद को आगे



मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद एक बार फिर जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए हैं। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कई देशों में हवाई सेवाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे दुर्बई में कई लोग फंस गए हैं। इस स्थिति को देखते हुए सोनू सूद ने वहां फंसे लोगों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की पेशकश की है। अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि जो लोग दुर्बई में फंसे हुए हैं और असाहय महसूस कर रहे हैं, वे उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी टीम जरूरतमंदों को सुरक्षित रहने की व्यवस्था कराने में हर संभव मदद करेगी। सोनू सूद इससे पहले भी कई मानवीय कार्यों के लिए चर्चा में रह चुके हैं। कोविड-19 के दौरान उन्होंने हजारों प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद से लोग उन्हें 'मसीहा' के नाम से भी पुकारने लगे। फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पहल की जमकर सराहना की है। लोगों का कहना है कि कठिन परिस्थितियों में भी सोनू सूद हमेशा मदद के लिए तैयार रहते हैं।

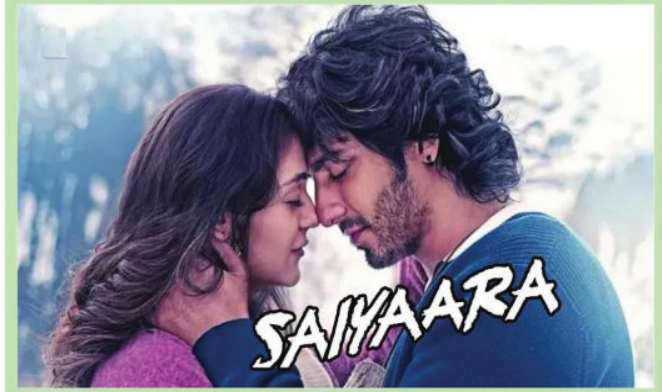


संदीपा ने की अपनी फिल्म दो दीवाने सहर में की तारीफ

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म दो दीवाने सहर में अभिनेत्री संदीपा धर नजर आई। इस फिल्म में संदीपा ने नैना नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया है जो बाहर से तो परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से बेहद अकेली है। अपने किरदार के बारे में संदीपा ने बताया कि इस फिल्म को चुनने की सबसे बड़ी वजह नैना का जटिल और गहराई वाला किरदार था। उनके अनुसार, बाहरी खुशहाल छवि के पीछे छिपी उथल-पुथल और टूटे हुए एहसासों को परदे पर दिखाना एक कलाकार के रूप में चुनौतीपूर्ण होने के साथ बेहद रोमांचक भी रहा। संदीपा ने फिल्म की कहानी की भी जमकर तारीफ की और कहा कि लंबे समय बाद दर्शकों के सामने ऐसी अनूठी प्रेम कहानी आई है, जो सामान्य रोमांस से अलग है। यह दो ऐसे लोगों की कहानी है जो अपनी-अपनी कमजोरियों को पहचानते हैं, उन्हें स्वीकार करते हैं और एक-दूसरे को अपनाते हुए अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हैं। उनके मुताबिक, हीरो-हीरोइन द्वारा अपनी कमियों को स्वीकारते हुए प्यार चुनने वाली कहानियां आजकल बहुत कम देखने को मिलती हैं। फिल्म की रिलीज के बाद संदीपा धर बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म बिल्कुल उसी तरह बनी है जैसा उन्होंने उम्मीद की थी और उनका किरदार भी दर्शकों द्वारा उसी रूप में स्वीकार किया गया। उन्होंने बताया कि फिल्म के दूसरे हिस्से में उनका और अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का टकराव वाला सीन काफी महत्वपूर्ण था, और यह दर्शकों के बीच खासा चर्चित भी रहा। कई लोगों ने उस सीन से खुद को जोड़कर उनकी तारीफ की है। फिल्म का निर्देशन रवि उदयवार ने किया है, जबकि इसे प्रतिष्ठित फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। संदीपा ने भंसाली के प्रोडक्शन हाउस में काम करने के अनुभव को खास बताते हुए कहा कि उनका विजुअल विजन हमेशा की तरह बेहद प्रभावशाली है।

‘सैयारा’ की सफलता के बाद अहान पांडे ने झेली महीनों तकलीफ

अपनी डेब्यू फिल्म सैयारा से साल 2025 में बॉलीवुड के उभरते अभिनेता अहान पांडे ने धमाकेदार पहचान बनाई थी। इस सफलता के पीछे एक ऐसा दर्द था, जिसे अब अहान ने पहली बार साझा किया है। एक्टर ने खुलासा किया कि फिल्म रिलीज होने के तुरंत बाद उन्हें जिंदगी की सबसे तकलीफदेह सर्जरी से गुजरना पड़ा, जिसने उन्हें महीनों तक सामान्य जीवन से दूर रखा। अहान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें पिछले साल एक बड़ी सर्जरी करानी पड़ी, जो बेहद दर्दनाक रही। उन्होंने कहा कि उनका शरीर इतनी परेशानी से गुजरता कि लंबे समय तक वे न तो सामान्य तौर पर चल-फिर पा रहे थे और न ही वजन उठा पा रहे थे। यह स्थिति उनके लिए शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर चुनौती बन गई। कुछ साल पहले हुए एक स्नोमोबाइल हादसे का असर उनके कंधे पर गंभीर रूप से पड़ा था। चोट इतनी गहरी थी कि समय के साथ यह बढ़ती ही चली गई और ज़िम में वर्कआउट करना उनके लिए लगभग असंभव हो गया। आखिरकार उन्होंने सर्जरी का निर्णय लिया, हालांकि डॉक्टर ने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी कि ऑपरेशन के बाद उनका शरीर पहले जैसा नहीं रह पाएगा और फिल्मों के लिए जरूरी फिजिक हासिल करना उनके लिए बेहद मुश्किल होगा। अहान के मुताबिक, वह हमेशा उन एक्टरों से प्रेरणा लेते रहे हैं जो ज़िम में जाकर अपनी बॉडी में जबरदस्त बदलाव लाने में सफल होते हैं। लेकिन उनका मामला बिल्कुल अलग था—वे अनेहल्दी शरीर नहीं, बल्कि एक गंभीर चोट से जूझ रहे थे। उन्होंने बताया कि पहले चलना-फिरना भी मुश्किल था, फिर वे वजन नहीं उठा पाते थे, और अंत में महीनों की मेहनत के बाद वे फिर से वेटलिफ्टिंग करने की स्थिति में आए। सर्जरी के बाद वे लंबे समय तक हाथ पर प्लास्टर बांधे रहे, लेकिन उन्होंने इसे सार्वजनिक नहीं होने दिया। अपने दर्द को छुपाकर उन्होंने खुद को दोबारा खड़ा किया और अब वापस अपने फिटनेस रूटीन में लौट आए हैं। अहान पांडे की कहानी सिर्फ एक अभिनेता की सफलता का किस्सा नहीं है, बल्कि यह उन कठिन रास्तों की भी दास्तान है, जिन्हें वे पर्दे के पीछे चुपचाप पार करते हैं। 'सैयारा' की सफलता के बाद आज अहान का नाम तेजी से ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, लेकिन इस सफर में उनकी जिद, जुझारूपन और संघर्ष सबसे ज्यादा चमकते हुए नजर आते हैं। बता दें कि मोहित सूरी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई और अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव स्टोरी फिल्म बन गई।



श्रद्धा और वरुण के बचपन की कहानी है बेहद दिलचस्प



एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने खुलासा किया कि जब वह केवल 8 साल की थीं, तब उन्होंने वरुण को प्रपोज किया था। दोनों अपने-अपने पिता के साथ एक फिल्म के सेट पर गए थे। वहां खेलने के दौरान वे एक छोटी पहाड़ी पर चढ़ गए और इसी मासूमियत भरे माहौल में श्रद्धा ने वरुण के सामने अपना दिल खोल दिया। श्रद्धा कपूर और वरुण धवन की ऑन-स्क्रीन जोड़ी हमेशा पसंद की जाती रही है, लेकिन इन दोनों की बचपन की एक कहानी इससे भी ज्यादा दिलचस्प है। श्रद्धा ने बताया कि उन्होंने वरुण को प्रपोज करने के लिए एक मजेदार तरीका निकाला। उन्होंने कहा कि वह कुछ उल्टा बोलेंगी और वरुण को उसे समझना होगा। श्रद्धा ने मजाक में कहा 'यू लव आई' जो उल्टा पढ़ने पर 'आई लव यू' होता है। इस पर छोटे वरुण घबरा गए और बोले, 'मुझे लड़कियां पसंद नहीं हैं,' और तुरंत वहां से दौड़कर भाग गए। श्रद्धा ने यह किस्सा एक यूट्यूब इंटरव्यू में हंसते हुए साझा किया था। बड़े होकर दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। दोनों ने एबीसीडी 2, स्ट्रीट डॉगर 3डी में शानदार केमिस्ट्री दिखाई। इसके अलावा, वे स्त्री 2 में भी स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। साल 2010 में श्रद्धा कपूर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत फिल्म तीन पत्नी से की थी। 2011 में वह लव का द एंड में दिखाई दीं, लेकिन उन्हें असली पहचान मिली मोहित सूरी की रोमांटिक फिल्म आशिकी 2 से। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता आदित्य रॉय कपूर थे। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और श्रद्धा को कई अवॉर्ड नॉमिनेशन मिले। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर ने गायक राहुल जयकर की भूमिका निभाई थी, जो शराब की लत के कारण अपना करियर खो देता है, जबकि श्रद्धा ने आरोही शिरके का किरदार निभाया, जो उनकी मदद से एक सफल सिंगर बनती है। इसके बाद श्रद्धा ने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें एक विलेन, बागी, हाफ गर्लफ्रेंड, स्त्री, छिछोरे, और तू झूठी मैं मक्कार शामिल हैं। हाल ही में उनकी फिल्म स्त्री 2 ने दुनियाभर में 800 करोड़ से ज्यादा की कमाई करते हुए बड़ी हिट साबित हुई।



बॉलीवुड को अवसर गलत तरीके से किया जाता है पेश: सुनील शेट्टी

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की लगातार खराब की जा रही छवि पर हाल ही में अभिनेता सुनील शेट्टी ने खुलकर अपनी बात रखी है। एक इवेंट में उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म जगत को अवसर गलत तरीके से पेश किया जाता है, जबकि इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार और तकनीशियन हैं, जो पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए समर्पित हैं। उनका कहना था कि दर्शकों को यह समझना चाहिए कि पूरी इंडस्ट्री नकारात्मकता से भरी नहीं होती। सुनील के मुताबिक, बॉलीवुड से जुड़े लोग लगातार सुर्खियों में रहते हैं, इसलिए उनके बारे में सकारात्मक से ज्यादा नकारात्मक बातें फैलती हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप एक्टर, सिंगर, खिलाड़ी या एंटरटेनर होते हैं, तो आप हमेशा जनता की नजरों में रहते हैं। ऐसे में आपके बारे में अच्छी और बुरी दोनों तरह की बातें कही जाती हैं, जो कई बार स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना देती हैं।' उन्होंने आगे कहा कि बॉलीवुड पर अवसर गलत नैरेटिव थोप दिया जाता है। कई लोग मानते हैं कि अगर इंसान या मी टू जैसे मामले सामने आए हैं तो वे केवल फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित हैं, जबकि हकीकत यह है कि ऐसा समाज के हर हिस्से में होता है। सुनील के अनुसार इंडस्ट्री में बड़ी संख्या में मेहनती, सजग और प्रतिभाशाली लोग काम कर रहे हैं, लेकिन नकारात्मक कटेट आज के समय में टीआरपी और व्यूज का आसान जरिया बन चुका है, इसलिए आलोचना ज्यादा दिखाई देती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आज मुझ यह नहीं रहा कि खबर सही है या नहीं, बल्कि यह कि कौन इसे सबसे पहले प्रस्तुत करता है। बातचीत के दौरान सुनील ने अपने बेटे अहान शेट्टी को दी गई सीख के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा अहान को पहले एक अच्छा इंसान बनने की सलाह देते हैं, क्योंकि इंसाइनयत ही किसी को लंबी दौड़ का खिलाड़ी बनाती है। अहान हाल ही में फिल्म बार्डर 2 में नजर आए थे, जो सुनील शेट्टी की प्रतिष्ठित फिल्म 'बॉर्डर' का रियरिचुअल सीकल है। यह फिल्म 23 जनवरी को रिलीज हुई और भारत में 327 करोड़ रुपये की शानदार कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता बन गई।

छलका आयशा खान का दर्द

एक्ट्रेस आयशा खान इन दिनों अपने हालिया खुलासों को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया कि एक बार उन्हें केवल शरीर के आकार के कारण एक गाने से बाहर कर दिया गया था। आयशा ने कहा कि उन्हें 'मोटी' कहकर प्रोजेक्ट से हटाया गया, जिससे उन्हें काफी मानसिक आघात पहुंचा। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने यह भी खुलासा किया कि सोशल मीडिया पर उन्हें रोजाना अश्लील संदेश और धमकियां मिलती हैं। आयशा के मुताबिक इंस्टाग्राम पर कई लोग उन्हें सेक्सुअलाइज करते हैं और कुछ यूजर्स तो रेप की धमकियां तक देते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि इस तरह की घटनाएं मानसिक रूप से बेहद परेशान करने वाली होती हैं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनका मानना है कि कलाकारों को भी सम्मान और सुरक्षित माहौल मिलना चाहिए। आयशा खान हाल ही में फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शराब' में नजर आई थीं, जिसमें उनकी परफॉमेंस को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में बॉडी शेमिंग और ऑनलाइन ट्रोलिंग जैसी समस्याएं अब भी गंभीर रूप से मौजूद हैं।



फिल्म मालामाल विकली का बनने जा रहा है सीकल

कॉमेडी से भरपूर फिल्म मालामाल विकली का सीकल बनने जा रहा है। करीब बीस पूर्व रिलीज हुई प्रियदर्शन की इस कल्ट कॉमेडी ने एक गुम हुए लॉटरी टिकट की कहानी को लेकर दर्शकों को खूब हंसाया था। अब इसके सीकल की खबर से फैंस फिर से उत्साहित हैं। फिल्म में परेश रावल राजपाल यादव, रितेश देशमुख और दिवंगत ओम पुरी ने यादगार भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि 'मालामाल विकली 2' की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, मगर फिल्म के मुख्य अभिनेता परेश रावल ने इस खबर पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया, फ्रंट, यह सच है। मैं इस फिल्म का हिस्सा हूँ और हम इसे कर रहे हैं। पहली फिल्म में

लॉटरी टिकट बेचने वाले लीलाराम की भूमिका निभाने वाले परेश रावल दोबारा इसी किरदार में कमाल दिखाने की तैयारी में हैं। दिलचस्प रूप से, साल 2012 में कमाल धमाल मालामाल रिलीज हुई थी, जिसे 'मालामाल विकली' का रीबूट माना गया था। इसमें भी परेश रावल के साथ राजपाल यादव, ओम पुरी और नाना पाटेकर ने बेहतरीन अभिनय से कॉमेडी का स्तर ऊंचा रखा था। हालांकि उस समय इसे आधिकारिक सीकल नहीं कहा गया था, लेकिन इस बार फिल्म के सीधे सीकल की पुष्टि ने पुराने दर्शकों की याद ताज़ा कर दी है। इस बीच परेश रावल दूसरी फिल्म भागमभाग 2 को लेकर भी चर्चा में हैं, जो उनकी 2006 की

सुपरहिट फिल्म का सीकल है।

इस बार फिल्म में बड़ा बदलाव यह है कि गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी नजर आएंगे, जिससे कहानी और प्रस्तुति में नए रंग जुड़ने की उम्मीद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो परेश रावल आने वाले महीनों में कई बड़ी फिल्मों के साथ दर्शकों के बीच लौटने वाले हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म भूत बंगला में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे, जो 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। इसके साथ ही, सुपरहिट तिकड़ी अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल फिर से दर्शकों का मनोरंजन करेगी क्योंकि अभिनेता फिल्मों वेलकम टू द जंगल और हेराफेरी 3 में भी नजर आएंगे।





दोस्तों, इस मौसम में तुम्हारे शहर की झीलों, नदियों, पक्षी अभयारण्य और चिड़ियाघरों को प्रवासी पक्षी अपना बसेरा बना लेते हैं और ये वसंत पंचमी यानी फरवरी-मार्च तक यहां से वापस अपने देश या फिर इससे आगे चले जाते हैं। पर तुम कितना जानते हो इनके प्रवास यानी माइग्रेशन के बारे में? जितना ही इन्हें समझोगे, हैरान रह जाओगे तुम...चलो आज बात करते हैं इनके माइग्रेशन की।

दूर देश से आ गए हैं खास मेहमान

क्या होता है माइग्रेशन

यह लैटिन शब्द 'माइग्रेट्स' से आया है, जिसका मतलब होता है बदलाव। इसलिए पक्षियों के द्वारा किसी विशेष मौसम में भौगोलिक बदलाव को माइग्रेशन नाम दिया गया है। हिंदी में इसे प्रवास कहा जाता है। प्रवास का अर्थ है, यात्रा पर जाना या दूसरे स्थान पर जाना। लेकिन उनका यह प्रवास केवल अपने देश में सीमित नहीं होता, बल्कि दूर-दूर के देशों तक होता है, जहां भी इन्हें अपने अनुकूल मौसम और भोजन मिल जाए। कई पक्षी तो ऐसे हैं, जो कई माह का सफर तय कर दूसरे देश पहुंचते हैं।

कहां से आते हैं ये पक्षी

ऐसा नहीं कि दूसरे देश के पक्षी ही भारत आते हैं, बल्कि भारत के पक्षी भी दूसरे देश जाते हैं। भारत के पक्षी लगभग 10,000 किलोमीटर का सफर तय करके रूस के निकट साइबेरिया पहुंचते हैं और इसी प्रकार उस देश के पक्षी भारत में आते हैं।

जो पक्षी भारत में आकर सर्दियां गुजारते हैं, वे उत्तरी एशिया, रूस, कजाकिस्तान तथा पूर्वी साइबेरिया से यहां आते हैं। 2,000 से 5,000 किलोमीटर की दूरी तो ये आसानी से उड़कर पार कर लेते हैं, यद्यपि इसमें इन्हें काफी समय लगता है। फिर भी यह बहुत आश्चर्यजनक है कि समुद्री और दुर्गम रेगिस्तानी प्रदेशों को ये कैसे पार कर लेते हैं, क्योंकि इन कठिन स्थानों को वायुयान से पार करने में मनुष्य भी हिचकिचाते हैं, फिर ये पक्षी तो आकार में बहुत बड़े भी नहीं होते। इनमें गेहवाला जैसी छोटी चिड़िया और छोटे-छोटे परिंदे भी सम्मिलित हैं। भारत का सुप्रसिद्ध पक्षी राजर्हस भारत में सर्दियां गुजारता है और तिब्बत जाकर मानसरोवर झील के किनारे अंडा देता है। पक्षियों का यह विचित्र स्वभाव देखकर पक्षी विज्ञान के विशेषज्ञ भी आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

भारत की मेजबानी

गर्मी हो या ठंड भारत प्रवासी पक्षियों की मेजबानी में हमेशा आगे रहता है, चाहे वह भोजन हो या आवास की जरूरत। किंगफिशर, रोजी, पेलिकन, वुड सैंडपाइपर, स्टार्लिंग ब्लूथ्रोत आदि कुछ ऐसी प्रवासी पक्षी हैं, जो अनुकूल हवा देखकर स्थान बदलते हैं। यदि वे एक बार माइग्रेशन शुरू कर देते हैं तो केवल खराब मौसम ही उन्हें ऐसा करने से रोक सकता है। साइबेरियन क्रैन, ग्रेट फ्लेमिंगो, रफ जैसे काफी पक्षी माइग्रेशन के दौरान काफी ऊंची उड़ान भरते हैं। ये तभी प्रवास पर जाते हैं, जब इन्हें लगता है कि इनके पास इतना फूट है, जो इनकी यात्रा के दौरान साथ देगा।



झुंड बनाकर करते हैं 'माइग्रेशन'

पक्षियों में एक हैरत में डालने वाली बात ये है कि जब ये सभी प्रवास के लिए निकलते हैं तो अकेले नहीं, बल्कि हजारों की संख्या में दल बनाकर जाते हैं।

ठंड में भारत आने वाले पक्षी

साइबेरियन क्रैन, ग्रेट फ्लेमिंगो, रफ, ब्लैक विंग स्टिल्ट, कॉमन टील, कॉमन ग्रीनशैंक, नॉर्डन पिनटेल, रोजी पेलिकन, गडवाल, वुड सैंडपाइपर, स्पॉटिड सैंडपाइपर, यूरोसियन विजन, ब्लैक टेल्ड गार्डवित, स्पॉटिड रेडशैंक, स्टार्लिंग, ब्लूथ्रोत, लांग बिल्ड पिपिट।

क्यों आते हैं हमारे देश

शीत ऋतु यानी जाड़े में इन प्रवासी पक्षियों के यहां बर्फ जम जाती है और ऐसी कंपकंपाने वाली ठंड के कारण इन पक्षियों का आहार बनने वाले जीव या तो मर जाते हैं या जमीन में दुबक कर शीत-निद्रा में चले जाते हैं, जिससे वे सर्दियों के समाप्त होने के बाद ही जागते हैं। ऐसी स्थिति में इन पक्षियों के लिए आहार ढूंढना और जिंदा रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए वे भारत जैसे गर्म देशों में चले आते हैं, जहां बर्फ नहीं जमती और उन्हें आहार भी अच्छे से मिल जाता है।

प्रवासी पक्षियों को पहचानने की कोशिश

अनेक संस्थाएं हैं, जो इन प्रवासी पक्षियों को मेटल के रिंग पहना देती हैं और अपने देश में मिलने वाली पक्षियों की सूचना संबंधित देशों को भेजती हैं। इससे यह बात बहुत आसानी से जान ली जाती है कि कौन से पक्षी किस देश के हैं, तथा वे किस-किस देश में प्रवास के लिए जाते हैं।

वर्ल्ड माइग्रेटरी बर्ड-डे

वर्ल्ड माइग्रेटरी बर्ड-डे दो दिन का कार्यक्रम है, जो मई के

दूसरे वीकएंड पर सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे का असल मकसद है लोगों के बीच इन प्रवासी पक्षियों व उनके आवास के लिए सुरक्षा की भावना लाना। यूनाइटेड नेशन एक ऐसा संगठन है, जो इस ग्लोबल अवैयरनेस कैंपेन का समर्थन करता है। इस दिन पूरी दुनिया में लोग पब्लिक इवेंट्स जैसे- बर्ड फेस्टिवल, एजुकेशन प्रोग्राम या पक्षियों पर आधारित और भी कई कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

माइग्रेशन के दौरान चुनौतियां

हालांकि माइग्रेशन को आसान बनाने के लिए ये पक्षी अपने शरीर को अनुकूलित कर लेते हैं, पर फिर भी इन्हें अपने इस सफर में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

- पर्याप्त भोजन न मिलना और भुखमरी
- हवा में उड़ते हुए ऊंची बिल्डिंग या हवाई जहाज से टक्कर
- प्रदूषण या चल रहे निर्माण कार्यों की वजह से ठहराव या निवास स्थान के विनाश से
- खराब मौसम और तूफान भी इन्हें घायल कर देते हैं या राह से भटका देते हैं

माइग्रेशन खतरनाक है, पर ढेर सारे पक्षियों के लिए आवश्यक भी। हर वर्ष होने वाले इस माइग्रेशन या प्रवास के बाद पक्षी अपने देश को खुशहाली के साथ लौटते हैं।

दिल्ली में कहां आए कितने मेहमान

- >> नजफगढ़ में इस साल 16 प्रजाति के प्रवासी पक्षियों ने अपना घर बनाया है। अब तक 5000 से ज्यादा चिड़ियों को यहां देखा गया है, जो दूर देश से आई हैं। दिल्ली में प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा लगने का दूसरा प्रसिद्ध स्थान है ओखला अभयारण्य। इस वर्ष अब तक वहां करीब 7000 प्रवासी पक्षी पहुंच चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि अभी और पक्षी आएंगे। वहीं दिल्ली के चिड़ियाघर में भी पक्षियों ने आना शुरू कर दिया है।
- >> दूर देशों से शीत ऋतु में भारत आने वाले इन प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा इन प्रमुख स्थानों पर जरूर लगता है और वह भी बहुतायत की संख्या में।



यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क, नई दिल्ली

- >> यहां रेड क्रेस्टेड पोचार्डस, टफटेड पोचार्डस, यूरोसियन विजन, पिनटेलस और कूट्स जैसे पक्षी, जो साइबेरिया व सेंट्रल एशिया से आते हैं, मुख्य रूप से जनवरी माह में देखे जाते हैं।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी, राजस्थान

- >> ग्रीन लेग्ड गूज, चीनी कूट, पोचार्डस, टील, मालार्ड को यहां आसानी से देखा जा सकता है। ये अक्टूबर मध्य से आना शुरू करते हैं और फरवरी तक यहां देखे जा सकते हैं।

कॉर्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड

- >> यहां प्रवासी पक्षियों में मोर, गिद्ध, जंगली मुर्ग और अलग प्रजाति के तोते देखे जा सकते हैं।

सुल्तानपुर बर्ड सेंचुरी, हरियाणा

- >> शीत ऋतु में यहां प्रवासी पक्षियों के आने से बडम ही मनमोहक दृश्य बन जाता है। साइबेरियन क्रैन, ग्रेटर फ्लेमिंगो, रफ, ब्लैक विंग्ड स्टिल्ट, टील और ग्रीन शैंक आदि मेहमान पक्षियों को यहां देखा जा सकता है।

सूरजपुर बर्ड सेंचुरी, ग्रेटर नोएडा

- >> यहां देश के विभिन्न हिस्से से तो पक्षियों का आना होता ही है, पर सर्वे से पता चला है कि करीब 40 विभिन्न प्रजाति के प्रवासी पक्षियों को यहां देखा गया है।

दिल्ली चिड़ियाघर, नई दिल्ली

- >> सारस, जंगली बत्तख व शोवेलर्स को फरवरी तक यहां देखा जा सकता है।

हौज खास विलेज झील, नई दिल्ली

- >> हर वर्ष शीत ऋतु में हौज खास विलेज की झील में खूबसूरत व रंगीन प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा लगता है।

कोल्लेरु झील बर्ड सेंचुरी, आंध्र प्रदेश

- >> काफी सारे प्रवासी पक्षी, जैसे साइबेरियन क्रैन, इबिस और रंगीन सारस आदि यहां जाड़े के मौसम में आते हैं।

पोंग डैम झील, हिमाचल प्रदेश

- >> इसे महाराणा प्रताप सागर के नाम से भी जाना जाता है। यहां प्रवासी पक्षियों का झुंड आता है जो काफी मनोरम दृश्य पैदा करता है।

रंगनथिट्ट बर्ड सेंचुरी कर्नाटक

- >> यहां हर वर्ष दिसंबर के महीने में 20 देशों से भी ज्यादा प्रवासी पक्षियों का झुंड आता है।



चिल्का झील, उड़ीसा

- >> एशिया की सबसे बड़ी नमकीन पानी की झील है ये। शीत ऋतु में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी यहां आते हैं।

पुलीकट झील, तमिलनाडु

- >> यहां 60 से ज्यादा प्रजाति के पक्षियों का आवास है। इनमें से 80 प्रतिशत से ज्यादा प्रवासी पक्षी होते हैं।

ये भी जानो

- >> पक्षियों का माइग्रेशन काफी सारे फैक्टर पर निर्भर करता है, जैसे पक्षियों की प्रजाति, माइग्रेशन की दूरी, यात्रा की गति, रास्ता, जलवायु आदि।
- >> माइग्रेशन से पहले ये पक्षी 'हाइपरफेगिया' फेज में चले जाते हैं, जहां हार्मोन लेवल में बदलाव होता है और इनका शारीरिक वजन जबरदस्त बढ़ता है, जिससे इनके शरीर में फैट जमा होता है। माइग्रेशन के दौरान उड़ने के लिए ये अपने शरीर में जमा इस फैट से ही एनर्जी लेते हैं।
- >> तुम्हें जानकर अचरज होगा कि माइग्रेशन के लिए एक ओर का रास्ता तय करने में एक चिड़िया को कुछ हफ्तों से लेकर चार महीने तक लग जाते हैं। यह माइग्रेशन का सफर- कुल दूरी, उड़ने की गति, रास्ता और उहाराव आदि पर निर्भर करता है।
- >> काफी सारे ऐसे पक्षी होते हैं, जो दिन के वक्त ही उड़ते हैं, पर इनमें से कुछ ऐसे भी हैं, जो रात को उड़कर अपने माइग्रेशन की दूरी तय करते हैं।
- >> ये प्रवासी पक्षी तारों, सूर्य, हवा के बहने के तरीके और जमीन के प्राकृतिक बनाव से रास्ते को पहचानते हैं, जो उनके नैविगेशन में मददगार साबित होता है। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र भी माइग्रेशन में मददगार है।

इस बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में तहसीलदार भटगांव, शिक्षण नारायण राठिया, नगर पंचायत भटगांव के छह राजेश कुशवाहा, उद्धव भैयाथान फूलसिंह मरावी, सहित राजेश निरीक्षक, पटवारी और साधु ट्रेनर उपस्थित रहे। बैठक में समस्या प्रणकों और सुपरवाइजरों को आगामी कार्यों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन देते हुए समयबद्ध और जिम्मेदारीपूर्वक जनगणना कार्य संपन्न कराने का आह्वान किया गया। अगले आप चाहे तो मैं इसे और ज्यादा पत्रकारिता शैली में तेज हंडिंग, समवेष्टित और सोशल मीडिया/यूजुअल पेटेंड के लिए आकर्षक फॉर्मेट में भी तैयार कर सकता।

सेवा और समर्पण भाव के कारण भारतीय डॉक्टरों को देश के बाहर भी मिलता है सम्मान - डेका

राज्यपाल रमेन डेका ने रेस्पिरेटरी इंटेंसिव केयर यूनिट का शुभारंभ किया

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ में सुपर स्पेशलिटी कार्डियक फैसिलिटी की स्थापना पर दिया बल

राज्यपाल रमेन डेका ने रेस्पिरेटरी इंटेंसिव केयर यूनिट का शुभारंभ किया

रायपुर। राज्यपालरमेन डेका ने आज भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स रायपुर में रेस्पिरेटरी इंटेंसिव केयर यूनिट का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में एम्स एक विश्वसनीय संस्थान रहा है। जब हम सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा संस्थानों की बात करते हैं एम्स का नाम सबसे ऊपर होता है। यह गर्व का विषय है कि भारत के सभी राज्यों में एम्स की स्थापना हो चुकी है। एम्स रायपुर में इलाज हेतु आए मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस

लिहाज से इस संस्थान को और बड़ी जगह की आवश्यकता पड़ेगी। उन्होंने कहा कि मैं राज्य शासन को यह सलाह दूंगा कि नवा रायपुर में एम्स की स्थापना के लिए भूमि आवंटित करें, ताकि बड़ी संख्या में जरूरतमंद मरीजों को चिकित्सा सुविधा मिल सके।

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ में सुपर स्पेशलिटी कार्डियक फैसिलिटी की स्थापना पर बल दिया, ताकि हृदय रोगियों को अपने ही प्रदेश में बेहतर इलाज मिल सके और उन्हें प्रदेश के बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज अथवा एम्स में सुपर स्पेशलिटी कार्डियक फैसिलिटी की स्थापना की जा सकती है।

श्री डेका ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि चिकित्सा सुविधाओं की बढ़ोतरी के कारण प्रदेश में मृत्यु दर में आशानुकूल कमी आई है। लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है ताकि हम वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बना सकें। इसके लिए प्रत्येक क्षेत्र में



बेहतर परिणाम हासिल करने होंगे, चाहे वह चिकित्सा का क्षेत्र हो, इंजीनियरिंग का क्षेत्र हो या अंतरिक्ष विज्ञान। श्री डेका

ने डॉक्टरों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आप सभी ऐसे नोबेल प्रोफेशन में हैं जो सीधे लोगों की भलाई से जुड़ा

हुआ है। आज भी समाज का एक बड़ा तबका डॉक्टरों को भगवान मानता है। देश के बाहर भी भारतीय डॉक्टरों का नाम सम्मान से लिया जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह हमारे सुप्रशिक्षित और समर्पित डॉक्टर हैं। हमारे भारतीय डॉक्टर हमेशा मरीजों के बेहतर इलाज को प्राथमिकता देते हैं जो उनकी सेवा भावना का परिचायक है। उन्होंने अपनी माता जी का संस्मरण साझा करते हुए कहा कि जब मेरी माता जी बीमार रहा करती थीं जब का मेरा अनुभव है कि डॉक्टरों को देखते ही उनकी आधी परेशानी खत्म हो जाती थी। यह डॉक्टरों पर आम लोगों के अटूट विश्वास को दर्शाता है।

श्री डेका ने इस अवसर पर भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह संस्थान चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में नये प्रतिमान स्थापित करता रहें और निरंतर मरीजों की सेवा में तत्परता से जुटा रहे ऐसी मेरी कामना है। इस अवसर पर एम्स के चिकित्सा अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राज्यपाल रमेन डेका ने रेडक्रॉस सोसायटी संरक्षक के रूप में सदस्यता ग्रहण की



राज्यपाल श्री रमेन डेका ने रेडक्रॉस सोसायटी के संरक्षक के रूप में सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने संरक्षक सदस्य के रूप में आज कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह को 25 हजार रुपये का चेक प्रदान किया। इस दौरान राज्यपाल ने रेडक्रॉस की वर्तमान गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश चौधरी भी मौजूद रहे।

कुरुद और गोकुल नगर क्षेत्र में निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश



निगम आयुक ने किया जोन-2 के विकास कार्यों का निरीक्षण

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-02 क्षेत्र का सघन दौरा कर शासन द्वारा स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बायोगैस प्लांट, पूर्व निर्मित शेड, नवीन सड़क और सामुदायिक भवन के निर्माण कार्यों की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों व एंजिनियर्स को कार्य अविलंब प्रारंभ कर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। आयुक ने वैशाली नगर

क्षेत्रांतर्गत कुरुद बस्ती से गोकुल नगर तक स्वीकृत सड़क स्थल का मुआयना किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुसार जनहित के कार्यों में देरी न की जाए, ताकि स्थानीय नागरिकों को आवागमन में शीघ्र सुगमता प्राप्त हो सके। बायोगैस प्लांट एवं शेड निर्माण हेतु चिन्हित स्थल का अवलोकन करते हुए उन्होंने निर्माण एंजेंसी को तत्काल कार्य शुरू करने के लिए निर्देश दिया। सामुदायिक भवन कुरुद बाजार क्षेत्र में स्वीकृत नवीन सामुदायिक भवन के स्थल का निरीक्षण करते हुए आयुक ने कहा कि इस भवन के बनने से क्षेत्र के नागरिकों को सामाजिक एवं

मांगलिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होगा। विकास कार्यों का लाभ जनता को समय पर मिलना अनिवार्य है। निर्माण में गति और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। — राजीव कुमार पाण्डेय, आयुक, नया निगम भिलाई

■ नॉन इम्पैनल्ड बैंकों से खाते हटाए- कलेक्टर सिंह

■ अविवादित नामांतरण बटवारा पंजीयन नहीं करने वाले ग्राम पंचायत सचिवों को देवें कारण बताओ नोटिस

दुर्ग। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आज अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा के साथ शासकीय योजनाओं और निर्माण कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन के वित्त विभाग द्वारा इम्पैनल्ड बैंकों में ही विभाग बैंक खाते का संचालन करें। नॉन इम्पैनल्ड बैंक विशेषकर आईडीएफसी, बंधन बैंक और उत्कर्ष बैंक से विभाग अपने बैंक खाते इम्पैनल्ड बैंक में ट्रांसफर करा लें। उक्त बैंकों में खाते रहने पर शासकीय राशि लैप्स होने पर संबंधित विभाग जिम्मेदार होंगे। कलेक्टर ने अवगत कराया कि विगत दिवस भी डीएलसीसी की बैठक में बैंकर्स द्वारा अवगत कराया गया है कि निष्क्रिय खातों को एक्टिव कर राशि संबंधित विभागों को लौटाई गई है। अधिकारी अपने विभागीय खाते की जांच कर इसकी



पुष्टि प्रतिवेदन कलेक्टर को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा शासकीय सेवकों को कैशलेस उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने सीएमएचओ को कैशलेस उपचार हेतु चिकित्सालयों को ऑन बोर्डिंग कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री

सिंह ने ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधी अविवादित नामांतरण बटवारा पंजीयन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिले के सभी पंचायतों में फरवरी माह के अंत तक एक-एक पंजीयन के निर्देश दिए गए थे। जिन पंचायतों में अभी तक पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हुआ है, जनपद सीईओ संबंधित ग्राम

पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस देना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को कार्यालयों में ई-ऑफिस के माध्यम से फाईल मूवमेंट और बायोमेट्रिक अटेंडेन्स पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देने कहा। कलेक्टर ने अवगत कराया कि आगामी 9 तारीख को ग्राम कोनारी में रेल्वे परियोजना के संबंध में

बैठक आयोजित की गई है। उक्त बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारी आवश्यक जानकारी के साथ उपस्थित रहें। साथ ही किसी भी प्रकार की विभागीय डाउट से एसडीएम दुर्ग को बैठक के पूर्व अवगत कराना सुनिश्चित करें। बैठक में स्वामित्व योजना, गृह निर्माण मंडल को आवास निर्माण हेतु जमीन आबंटन, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के अंतर्गत निर्माण कार्य, स्कूली बच्चों का आधार अपडेशन, और खातों का सीमांकन व सूचना फलक लगाने, वयवंदन और सिकलिंग चिन्हांकन, आयुष्मान योजना आदि की भी समीक्षा की गई। बैठक में वनमंडलाधिकारी दीपेश कपिल, एडीएम वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक श्री राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली की आयुक श्रीमती मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती सिद्धी थॉमस सहित सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

भिलाई टाउनशिप में अनाधिकृत निर्माण पर बीएसपी सरत

अनाधिकृत निर्माण का नियमितीकरण संभव नहीं, आर्बंटियों को नियमों के पालन की स्पष्ट चेतावनी: बीएसपी प्रबंधन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने भिलाई टाउनशिप क्षेत्र में अनाधिकृत निर्माण एवं नियमों के उल्लंघन के मामलों को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया है कि टाउनशिप क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या अतिरिक्त विस्तार नियमितीकरण योग्य नहीं है। प्रबंधन ने आर्बंटियों को चेतावनी दी है कि नियमों की अनदेखी कर किए गए निर्माण पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।



भिलाई टाउनशिप में लोहा/लाइसेंस/आबंटन के आधार पर प्रदत्त दुकान, आवास अथवा अन्य परिसरों के सभी आर्बंटियों को सूचित किया जाता है कि वे किसी भी प्रकार का अनाधिकृत निर्माण न करें तथा आबंटन की सभी शर्तों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। स्पष्ट किया जाता है कि अनाधिकृत भवन अथवा नियमानुसार निर्माण का किसी भी परिस्थिति में नियमितीकरण संभव नहीं है। यदि कोई आर्बंटी प्रक्रिया प्रारंभ करता है, तो वह पूर्णतः उसके स्वयं के जोखिम एवं व्यय पर होगी। निगम अथवा अन्य किसी प्राधिकरण के साथ की गई ऐसी कोई भी नियमितीकरण कार्यवाही बी.एस.पी. पर बाध्यकारी नहीं होगी।

उल्लेखनीय है कि समाचार पत्रों में प्रकाशित सूचना एवं नगर निगम, भिलाई द्वारा दिनांक 25.02.2026 को जारी तथा 26.02.2026 के समाचार पत्रों में प्रकाशित नोटिस के अंतर्गत नगर निगम प्रशासन के पास नहीं है। बीएसपी प्रबंधन ने सभी आर्बंटियों से अपील की है कि वे टाउनशिप क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त या अनाधिकृत निर्माण न करें तथा आबंटन की शर्तों एवं सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन करें। भिलाई टाउनशिप की सुव्यवस्था, सुरक्षा एवं नियोजित विकास सुनिश्चित करना संयंत्र प्रबंधन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से नियमों के अनुपालन को अनिवार्य बनाया गया है, ताकि नगर की मूल संरचना, नागरिक सुविधाओं एवं सार्वजनिक सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

बीएमडीसी में एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट सुदृढ़ीकरण पर दो-दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एचआर/ड्यूल एंड डी विभाग द्वारा भिलाई मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर (बीएमडीसी) में 26/27 फरवरी 2026 को एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट सुदृढ़ीकरण विषय पर दो-दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रायपुर के फैकल्टी सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य बढ़ती वैश्विक, आर्थिक एवं तकनीकी अनिश्चितताओं के परिप्रेक्ष्य में संगठन की रणनीतिक जोखिम तैयारी को सुदृढ़ करना तथा संस्थागत लचीलेपन को मजबूत बनाना था। कार्यक्रम में सेल की विभिन्न इकाइयों से कुल 23 वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार ने संबोधन में कहा कि सतत विकास, नियमकीय अनुपालन तथा रणनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संरचित, सक्रिय एवं दूरदर्शी जोखिम प्रबंधन प्रणाली अत्यंत आवश्यक है।

हृदयाघात की स्थिति में त्वरित सहायता हेतु सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम



भिलाई। सेल भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएचआरसी) के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग द्वारा सेव अलाइफमहल के अंतर्गत ओपीडी परिसर में 02 मार्च, 2026 को हैंड-ओनली सीपीसीआर (कार्डियो पल्मोनरी सेरेब्रल रीससिटेशन) कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में ओपीडी में उपस्थित रोगियों एवं उनके परिजनों को आकस्मिक हृदयाघात की स्थिति में तत्काल जीवनरक्षक सहायता प्रदान करने संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. वीनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कोशलेंद्र ठाकुर एवं डॉ. उदय कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य हृदयाघात जैसी आकस्मिक परिस्थितियों में चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध होने से पूर्व की महत्वपूर्ण अवधि के दौरान आम नागरिकों को

त्वरित एवं प्रभावी जीवनरक्षक उपाय करने हेतु सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण सत्र का संचालन एनेस्थीसियोलॉजी विभाग की विशेषज्ञ टीम डॉ. जयिता सरकार, डॉ. अमित अग्रवाल एवं डॉ. शिखा अग्रवाल द्वारा किया गया। प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित आमजन को सरल एवं प्रभावी जीवनरक्षक तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षकों द्वारा पुश हार्ड, पुश फास्ट सिद्धांत पर आधारित हैंड्स-ऑनली सीपीआर की विधि का प्रदर्शन किया गया, जिससे बिना माउथ-टू-माउथ प्रक्रिया के भी त्वरित सहायता संभव हो सके। साथ ही, हृदय संबंधी आपात स्थिति की शीघ्र पहचान तथा तत्काल चिकित्सकीय सहायता बुलाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण सत्र के अंतर्गत मैनिकिन्स के माध्यम से उपस्थितजनों को व्यावहारिक अभ्यास कराया गया, जिसमें चिकित्सकीय स्टाफने व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन प्रदान करते हुए सीने पर सही दबाव की जानकारी दी।